

पत्र क्र० एनसीएल/ज०स०वि०/प्रेसवि०/2016-17/556

दिनांक- 14/01/2017

प्रेस विज्ञप्ति

एनसीएल झिंगुरदा की सुगंधा महिला समिति ने किया स्टेशनरी वितरण

भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की झिंगुरदा परियोजना की सुगंधा महिला समिति ने शुक्रवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, झिंगुरदा में स्टेशनरी का वितरण किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सुचारू रूप से पठन-पाठन करने में सहयोग देने के उद्देश्य से स्टेशनरी वितरित की गई। स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम में सुगंधा महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती नीरजा गोमास्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए श्रीमती गोमास्ता ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए यह हमारा परम कर्तव्य है कि देश का भविष्य संवारने के लिए हम बच्चों का सही मार्गदर्शन कर उन्हें सही राह पर ले जाएं।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी के रूप में एकजाम बोर्ड (तख्ती), पेन, पेंसिल, कटर और रबर का वितरण किया गया। स्टेशनरी वितरण से विद्यालय के 100 छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुए। नई स्टेशनरी सामग्री पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय के अध्यापक-अध्यापिकाओं ने स्टेशनरी वितरण कर विद्यार्थियों की मदद करने के लिए सुगंधा महिला समिति की सदस्याओं को धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि समिति भविष्य में भी विद्यालय के विकास में सहयोग देती रहेगी।

सुगंधा महिला समिति की सदस्याओं ने बच्चों को पूरे मनोयोग से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्टेशनरी सामग्री का पढ़ाई में समुचित उपयोग एवं देखरेख करने को कहा। साथ ही, उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक-अध्यापिकाओं को आश्वासन दिया कि समिति भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यालय का सहयोग करती रहेगी।

कार्यक्रम में सुगंधा महिला समिति की श्रीमती सुधा मिस्त्री, श्रीमती विमला मल्लिक, श्रीमती रितु मुंशी और श्रीमती अर्चना सिंह के साथ समिति की अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं।

गौरतलब है कि सुगंधा महिला समिति झिंगुरदा परियोजना के आस-पास के जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए निरंतर सक्रिय रहती है। समिति ने शासकीय विद्यालय चटका और झिंगुरदा में बर्तन, टाट-पट्टी, स्वेटर, स्कूल बैग आदि का वितरण किया है। साथ ही, समिति झिंगुरदा परियोजना द्वारा जरूरतमंद महिलाओं एवं युवतियों के लिए चलाए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रमों में सहयोग देकर प्रशिक्षणार्थियों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी एवं सशक्त बनने में सहयोग देती है।